

मनोज घन्नन,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,
उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून

दिनांक 05 जून, 2014

विषय:- वन विभाग के अनुदान सं0-27 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2012-13 के राज्य सेक्टर के आयोजनागत पक्ष की योजना “वाइल्ड लाईफ बोर्ड को सहायता” में वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड के प0सं0-नि-1796/3-5 (रा0सौ0-वाईल्ला०बोर्ड,) दि0 17 मई, 2014 एवं वित्तीय वर्ष 2014-15 की आय-व्ययक की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में वित विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं0-318/XXVII(1)/2014 दि0 18 मार्च, 2014 एवं शासनादेश सं0-80/ अ0म०स0/पी०एस0/2014-15 दि0 23 अप्रैल, 2014 द्वारा दिये गये निर्दशों के आलोक में मुझे यह कहने का निरेश हुआ है कि वन विभाग के अनुदान संख्या-27 की आयोजनागत पक्ष की योजना “वाइल्ड लाईफ बोर्ड को सहायता” में चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए प्राविधानित आय-व्ययक के सापेक्ष ₹ 90.00 लाख (₹ ९०.०० लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर सखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्व स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

1. उक्तवत् निर्गत की जा रही वित्तीय धनराशि उत्तराखण्ड राज्य वन्य जीव सलाहकार परिषद एवं उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड के कार्यों के संचालन हेतु उनकी वास्तविक एवं औचित्यपूर्ण आवश्यकतानुसार आवंटित की जायेगी।
2. उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के क्रियान्वयन के लिए न किया जाय।
3. विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित अनुभाग-1 के शासनादेश सं0-318/XXVII(1)/2014 दि0 18 मार्च, 2014 द्वारा दिये गये निर्दशानुसार ही अग्रेतर कार्यवाही की जाय तथा सक्षम स्तर की अनुमति/यथा स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय।
4. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनेजमेंट), उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्चरोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
5. बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
6. आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी0एम0-17 पर प्रत्येक माह प्रशासनिक विभाग एवं वित विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा।
7. बी0एम0-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित विभाग को विलम्बतम 05 तारिख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय।

8. यह भी सुनिश्चित किया जाये कि मजदूरी तथा व्यावसायिक सेवाओं के लिये मुगतान मदों के अन्तर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या सम्बन्धित ईकाई में समकक्ष स्तर के स्वीकृत परन्तु रिक्त पदों की अधिकतम सीमा अन्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा, इनमें से जो भी कम हो, के अन्तर्गत ही रहेगी।
 9. मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं0-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दि0 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
 10. धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता ही किया जायेगा एवं शेष धनराशि समर्पित कर दी जायेगी।
 11. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
 12. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति का आवंटन पत्र कम्प्यूटर के माध्यम से जनरेट किया गया है एवं इसका Allotment Id S1406270015 है। आप भी अपने स्तर से अधिनस्थ आहरण वितरण अधिकारियों को कम्प्यूटर के माध्यम से online बजट आवंटन करना सुनिश्चित करें।
 13. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृतियों से कराये जाने वाले कार्यों की सूचना यथावश्यकता अनुसार सुराज, भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं जन सेवा विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं0-1638/XXX-1-12(25)2011, दि0 08 दिसम्बर, 2011 द्वारा अपेक्षित राज्य सरकार की वेबसाइट www.ua.nic.in तथा विभाग की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से प्रकाशित की जायेगी और उन्हें समय-समय पर अध्यावधिक किया जायेगा।
- 2- उपत सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के स्वीकृत आय-व्ययक के सापेक्ष अनुदान संख्या-27 के लेखा शीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 02-पर्यावरणीय वानिकी तथा वन्य जीवन 110-वन्य जीवन परिक्षण 03-00-वाइल्ड लाईफ बोडी को सहायता के मानक मद 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा। इस प्रयोजन हेतु Online Budget Allotment की हार्ड कॉपी भी संलग्न की जा रही है:-
- 3- ये आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-17(P)/XXVII(4)/2013 दिनांक 02 जून, 2014 में ग्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(मनोज चन्द्र)

अपर सचिव

13/0
संख्या- (1)/X-2-2014, तददिनांकित।

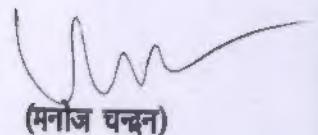
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून.
2. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
3. अपर प्रभुत्व वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. आयुक्त गढ़वाल/कुगाऊ मण्डल, उत्तराखण्ड.

✓

क्रमांक:....3

7. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड.
8. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
9. विल अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
10. निदेशक, कोषागार एवं विल सेवायें, देहरादून.
11. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
12. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
13. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
14. गार्ड फाईल.



(मनोज पन्दित)

अपर सचिव

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20142015

Secretary, Forest (S016)

ठन पत्र संख्या - /X-2-2014-12(41)/2012

अनुदान संख्या - 027

असोटर्मेंट आई श्री - S1406270015

आवंटन पत्र दिनांक - 03-Jun-2014

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

1: सेक्षा शीर्षक	2406 - वानिकी तथा बन्य जीवन 110 - बन्य जीवन परिवर्धन 00 - वाईल्ड लाइफ बोर्ड को सहायता	02 - पर्यावरणीय वानिकी तथा बन्य जीवन 03 - वाईल्ड लाइफ बोर्ड को सहायता
------------------	---	--

Plan Voted			
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	बर्तमान में जारी	बोग
20 - सहायक अनुदान/अंशवासन/राज	0	9000000	9000000
	0	9000000	9000000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 9000000

h

W